11/07/19

पाठ - 11 (काठ - वेद)

रसखान

सवैये

प्रश्नोत्तर

प्र०-1 → ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

उ० → कवि ने व्यक्त किया है कि वह अगले जन्म में मनुष्य के रूप में ब्रज गाँव में ही जन्म लेना चाहता है और वहीं बसना भी चाहता है। वह ग्वाल रहकर ग्वालों और श्री कृष्ण के साथ खेलना चाहता है और उनके साथ मस्ती करना चाहता है। वह गोवर्धन पर्वत का भी हिस्सा बनना चाहता है क्योंकि श्री कृष्ण ने उसे अपनी उँगली पर उठाया था। ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम इतना ज्यादा है कि वह वहीं रहना चाहते हैं।

प्र०-2 → कवि का ब्रज के वन, बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण है?

उ० → कवि का ब्रजभूमि के प्रति अनन्य प्रेम है। कवि श्री कृष्ण और उनसे जुड़ी किसी भी चीज़ या वस्तु से दूर नहीं रहना चाहता है। कवि चाहता है कि वह ब्रजभूमि का ही अंश बन जाए जैसे वह श्री कृष्ण को महसूस कर सके। ब्रजभूमि श्री कृष्ण भगवान् की लीलाओं की भूमि है। ब्रजभूमि के कण-कण में श्री कृष्ण समाये हुए हैं इसलिए कवि ब्रजभूमि के तालाब, बगीचे और वन के सौंदर्य को जीवन पर्यन्त निहारना चाहता है और मन-मुग्ध होना चाहता है।

प्र०-3 → एक लकुटी और कामरिया पर कवि सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?

उ० → कवि का श्री कृष्ण के प्रति जो प्रेम है उसके लिए वह कुछ भी न्योछावर कर सकता है। कवि के लिए श्री कृष्ण भगवान द्वारा गायों को चराने के लिए प्रयोग में लायी गयी लाठी और कम्बल बहुत महत्व रखते हैं। यहां तक की कांटेदार-झाड़ियों के लिए वे सौ महलों को भी न्योछावर करने को तैयार हैं। इसलिए रसखान जी श्री कृष्ण भगवान की एक लकुटी और कमरिया पर तीनो लोकों का राज न्योछावर करने को तैयार हैं।

प्र०-4 → सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उ० → सखी ने गोपी से श्री कृष्ण का वह रूप धारण करने का आग्रह किया था जिसमें वे सिर पर मोर का मुकुट लगाए हुए होते हैं, पीले कपड़े पहने हुए होते हैं, गले में कुंजो की माला पहने हुए होते हैं और हाथ में गायों को चराने के लिए लाठी लिए होते हैं। गोपियाँ श्री कृष्ण का प्रेम पाने के लिए कोई भी स्वांग करने

के लिए तैयार हैं। श्री कृष्ण भगवान की बांसुरी की धुन में मन-मुग्ध होकर गोपियाँ नाचा करती थी और श्री कृष्ण उनके अपार प्रेम को देखते हुए अपने अनगिनत रूप धारण कर लिया करते थे।

प्र०5-> आपके विचार से कवि पशु-पक्षी और पहाड़ के रूप में भी श्री कृष्ण का सान्निध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है।

उ०-> कवि, पशु-पक्षी और पहाड़ के रूप में श्री कृष्ण का सान्निध्य इसलिए प्राप्त करना चाहते हैं क्योंकि इन सबके साथ श्री कृष्ण का जुड़ाव किसी न किसी रूप में रहा था।

प्र०-6-> चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आप को क्यों विवश पाती हैं?

उ०-> चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने कृष्ण का रूप अत्यंत मोहक है तथा उनकी मुरली की धुन बड़ी मादक है। इन दोनों से बचना गोपियों के लिये अत्यंत कठिन है। गोपियाँ कृष्ण की सुन्दरता तथा नाम पर आत्मक्य हैं इसलिए वे कृष्ण के समक्ष विवश हो जाती हैं।

प्र०-7-> भाव स्पष्ट कीजिए :-

(क) कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।

=> भाव यह है कि रसखान जी ब्रज की काँटेदार झाड़ियाँ व कुंजन पर सोने के महलों का सुख न्योछावर कर देना चाहते हैं। अर्थात जो सुख ब्रज की प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने है वह सुख संसारिक वस्तुओं को निहारने में दूर-दूर तक नहीं है।

(ख) माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।

=> भाव यह है कि रसखान जी ब्रज की काँटेदार झाड़ियों व कुंजन पर सोने के महलों। कृष्ण की मुस्कान इतनी मोहक है कि गोपी से वह झेली नहीं जाती है, कि लोकलाज का भी भय उनके मन में नहीं रहता।

प्र०-8-> 'कलिंदी कूल कदम्ब की डारन' में कौन-सा अलंकार है?

उ०-> 'कालिंदी कूल कदम्ब की डारन' में 'क' वर्ण की आवृत्ति होने के कारण अनु-प्रास अलंकार है।

6